

मध्य प्रदेश में स्वर्ण अयस्क की खोज

चर्चा में क्यों?

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) द्वारा किये गए सर्वेक्षण के दौरान, मध्य प्रदेश के **जबलपुर ज़िले** की सहोरा तहसील के **महगवाँ** और **केवलारी** क्षेत्रों में **स्वर्ण अयस्क भंडार** की खोज की गई।

मुख्य बिंदु

- **सर्वेक्षण और नषिकर्ष:**
 - यद्यपि इस क्षेत्र में **लौह अयस्क** प्रचुर मात्रा में है, लेकिन **पहली बार स्वर्ण अयस्क** की भी जानकारी मिली है; भूवैज्ञानिकों को **लौह अयस्क** के साथ-साथ सीमिति मात्रा में **स्वर्ण अयस्क** भी मिला है।
 - जबलपुर में **सोने का भंडार** अनुमानतः **100 हेक्टेयर** में फैला हुआ है तथा वशिष्ठज्वाँ का अनुमान है कि इसकी मात्रा **लाखों टन** तक पहुँच सकती है।
 - प्रारंभिक **मृदा नमूने** से इस क्षेत्र में ताँबे और अन्य **मूल्यवान धातुओं** की उपस्थिति का भी पता चला है।
- **अन्य स्वर्ण परियोजनाओं से नफ़िदा:**
 - जबलपुर में सोने की खोज इसलिये भी महत्त्वपूर्ण है क्योंकि **यह कटनी ज़िले के धमिरखेड़ा क्षेत्र में स्थिति इमलिया स्वर्ण और बेस मेटल खंड परियोजना के समीप है।**
 - यह भौगोलिक नफ़िदा दर्शाती है कि महगवाँ और केवलारी जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों में भी **इमलिया जैसी खनजि संरचना** मिल सकती है।
 - **इमलिया स्वर्ण खदान**, जसि **50 वर्षों के लिये पट्टे पर दिया गया है**, इस पूरे क्षेत्र को **खनजि दृष्टि से समृद्ध** बनाता है।
- **महत्त्व:**
 - **सोने की खोज से मध्य प्रदेश में खनजि अन्वेषण में वृद्धि हो सकती है**, जसिसे क्षेत्र में पहले से ज्ञात **लौह अयस्क और मैंगनीज़ के भंडार में सोना भी शामिल हो जाएगा।**
 - यह खोज **स्थानीय अर्थव्यवस्था को मज़बूत करने और जबलपुर को भारत के प्रमुख खनजि समृद्ध क्षेत्रों में स्थापति करने की दशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।**

मध्य प्रदेश में खनजि संसाधन

- मध्य प्रदेश भारत का एकमात्र ऐसा राज्य है जहाँ प्रसिद्ध **पन्ना खदानों** से हीरा निकाला जाता है।
- यह राज्य **कॉपर कंसंट्रेट, डायोस्पोर, पाइरोफ़िलाइट, मैंगनीज़ अयस्क, चूना पत्थर** और मृदा (अन्य) का भी प्रमुख उत्पादक है।
- राज्य में देश के **90% हीरा, 74% डायोस्पोर, 55% लेटेराइट, 48% पाइरोफ़िलाइट, 41% मोलबिडेनम, 27% डोलोमाइट, 19% ताँबे का अयस्क, 18% फायर क्ले, 12% मैंगनीज़ तथा 8% रॉक फॉस्फेट अयस्क संसाधन मौजूद हैं।**